- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 मुख्यमंत्री ने 2 लाभार्थियों को प्रथम एवं द्वितीय किश्त का सांकेतिक चेक सौंपा

04 जिले के लैब टेक्नीशियन का हुआ प्रशिक्षण

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, शुक्रवार, 17 नवम्बर 2023 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 279

छत्तीसगढ़ की 70 और मप्र की 230 सीटों पर मतदान

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश की सभी 230 सीटों और छत्तीसगढ़ की दूसरे चरण की 70 सीटों पर मतदान से जुड़ी तैयारियां पूरी कर ली हैं। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान के लिए सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। दोनों राज्यों में मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच में हैं। कांग्रेस छत्तीसगढ़ में सत्तारूढ़ है और मध्य प्रदेश में विपक्ष में है। मध्य प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों के लिए प्रातः 7 से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। प्रदेश में संवेदनशील मतदान केंद्रों की संख्या 17,032 है। नक्सल प्रभावित बालाघाट जिले की 3 विधानसभा बैहर, लांजी और परसवाड़ा तथा मंडला के 55 और डिंडोरी के 40 मतदान केंद्रों पर सुबह 7 से अपराह्न 3 बजे तक वोटिंग होगी।

भारत-श्रीलंका सेनाओं का संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू

दोनों देशों की वायु सेनाओं के 20 वायु योद्धा भी हिस्सा ले रहे हैं सैन्य अभ्यास में

आतंकवाद विरोधी अभियानों में हेलीपैडों को सुरक्षित करने पर होगा फोकस

बीएनएम@नई दिल्ली। भारत-श्रीलंका संयुक्त सैन्य अभ्यास 'मित्र शक्ति' का नौवां संस्करण गुरुवार को औंध (पुणे) में शुरू हुआ। यह सैन्य अभ्यास 29 नवंबर तक चलेगा। भारतीय टुकड़ी का प्रतिनिधित्व मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट के 120 सैनिक और श्रीलंकाई पक्ष का प्रतिनिधित्व 53 इन्फैंट्री डिवीजन के सैनिक कर रहे हैं। भारतीय वायु सेना के 15 और श्रीलंकाई वायु सेना के पांच वायु योद्धा भी अभ्यास में भाग ले रहे हैं।

अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय VII के तहत उप पारंपरिक संचालन का संयुक्त रूप से पूर्वाभ्यास करना है। अभ्यास के दायरे में आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान संयुक्त प्रतिक्रियाओं का समन्वय शामिल है। दोनों पक्ष छापेमारी, खोज और मिशन को नष्ट करने, हेलीबोर्न ऑपरेशन आदि जैसी सामरिक कार्रवाइयों का अभ्यास करेंगे। इसके अलावा, आर्मी मार्शल आर्ट्स रूटीन (एएमएआर), कॉम्बैट रिफ्लेक्स शूटिंग और योग भी अभ्यास पाठ्यक्रम का हिस्सा हैं।

सैन्य अभ्यास 'मित्र शक्ति' में हेलीकॉप्टरों के अलावा ड्रोन और काउंटर मानव रहित हवाई प्रणालियों का उपयोग भी शामिल होगा। आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान हेलीपैडों को सुरक्षित करने और हताहतों को निकालने का भी दोनों पक्ष संयुक्त रूप से अभ्यास करेंगे। सामूहिक प्रयास शांति स्थापना अभियानों के दौरान संयुक्त राष्ट्र के हितों और एजेंडा को सबसे आगे रखते हुए सैनिकों के बीच अंतर संचालनीय के उन्नत स्तर को प्राप्त करने और जीवन और संपत्ति के जोखिम को कम करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

दोनों पक्ष युद्ध कौशल के व्यापक स्पेक्ट्रम पर संयुक्त अभ्यास के दृष्टिकोण पक्ष और कार्य प्रणालियों का आदान-प्रदान करेंगे, जो प्रतिभागियों को एक-दूसरे से सीखने का मौका देगा। सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों को साझा करने से भारतीय सेना और श्रीलंकाई सेना के बीच रक्षा सहयोग का स्तर और बढ़ेगा। यह अभ्यास दोनों पड़ोसी देशों के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को भी बढ़ावा देगा।

चुनाव से पहले मायावती का कांग्रेस पर पलटवार, फर्जी व गलत बातें फैला रही कांग्रेस

जयपुर। राजस्थान चुनाव से पहले कांग्रेस और बसपा आमने-सामने आ गई हैं। कांग्रेस की तरफ से कथित तौर पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि बसपा प्रचार कर रही है कि भले ही भाजपा जीत जाए, लेकिन कांग्रेस नहीं जीतनी चाहिए। इसे लेकर अब बसपा सुप्रीमो मायावती ने ट्वीट कर कांग्रेस पर पलटवार किया है।

मायावती ने कहा कि कांग्रेस फर्जी और गलत आरोप लगा रही है कि बसपा कुछ ऐसा प्रचार कर रही है कि बेशक भाजपा जीत जाए लेकिन कांग्रेस नहीं जीतना चाहिए। ये कांग्रेस का दुष्प्रचार है बसपा के खिलाफ, क्योंकि बसपा मजबूती से लड़ रही है। बसपा अपने

लिए वोट मांग रही है। ऐसे में खुद की हालत खराब देखकर बसपा के बारे में फर्जी और गलत बातें कांग्रेस पार्टी के लोग फैला रहे हैं।

मायावती ने ट्वीट कर लिखा है कि कांग्रेस का मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान में वोटिंग से पहले एक बिल्कुल गलत और फर्जी वीडियो का प्रचार करना दुर्भाग्यपूर्ण और उनकी हताशा का प्रतीक है। यह साजिश बसपा की मजबूत स्थिति को देखते हुए किया जा रहा है। लोगों को सावधान रहने की जरूरत है। इन राज्यों में कांग्रेस का घोर दुष्प्रचार जारी है। चुनाव आयोग को भी इस पर उचित संज्ञान लेना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान में 25 नवंबर को मतदान होना है। पूरे राज्य में मतदान एक ही चरण में होगा। चुनाव का नतीजा 3 दिसंबर को आएगा।

आधुनिक युग में नैतिक और जिम्मेदार पत्रकारिता की आवश्यकता: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में नैतिक और जिम्मेदार पत्रकारिता की आवश्यकता है। यह सर्वोपरि है कि पत्रकार और मीडिया संस्थानों को सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानकों का पालन करना चाहिए। वे गुरुवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय प्रेस दिवस समारोह 2023 में 'मीडिया इन द एरा ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' पर अपना व्याख्यान दे रहे थे।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस समारोह 2023 में को संबोधित करते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि न्यूज रूम में समाचार और समाचार और सामग्री संपादक की भूमिका को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा कभी भी पूरी तरह से प्रतिस्थापित नहीं किया

जा सकता है। कई वर्षों के संपादन के अनुभव, निरीक्षण की बारीकियों को समझने वाले संपादक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से हमेशा आगे रहेंगे। उन्होंने आशा जताई कि मीडिया न केवल भारत को बदलने की कहानी को उजागर करने में बल्कि विभिन्न क्षेत्रों और करोड़ों आवाजों की आशा आकांक्षाओं को भी उजागर करने में तेजी से रचनात्मक भूमिका निभाएगा।

बैंक ऑफ इंडिया के तत्कालीन शाखा प्रबंधक को पांच साल कठोर कैद की सजा

नई दिल्ली । हैदराबाद स्थित सीबीआई की विशेष अदालत ने बैंक धोखाधड़ी के एक मामले में बैंक ऑफ इंडिया के तत्कालीन शाखा प्रबंधक को पांच साल की कठोर कैद और दो निजी व्यक्तियों को एक साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है।

हैदराबाद में सीबीआई के विशेष न्यायाधीश ने सरुमागार बैंक आफ इंडिया शाखा के प्रबंधक रहे गद्दादर को पांच साल और 60 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। इसी मामले में दो निजी लोगों पंडिति राजशेखर और गद्दी गोपाला सत्येंद्र राव को एक साल की कारावास और दस- दस हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

सीबीआई ने इस आरोप के तहत आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज किया था कि इन्होंने

बैंक आफ इंडिया को धोखा देने के इरादे से साजिश रची थी। इस तरह गलत तरीके से लोन देने से बैंक को 73 लाख 80 हजार रुपये का नुकसान हुआ। यह भी आरोप लगाया था कि गद्दादर ने धोखाधड़ी से आवास ऋण आवेदनों को स्वीकृत कर ऋण राशि वितरित की थी। जांच के बाद सीबीआई ने इन आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी।

कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे संबोधित

'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ' का दूसरा सम्मेलन आज

बीएनएम@नई दिल्ली

भारत शुक्रवार को वर्चुअल प्रारूप में दूसरे 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ' शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। भारत ने इसी साल 12-13 जनवरी को आभासी प्रारूप में पहला वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट (वीओजीएसएस) की मेजबानी की थी। उस समय भारत इस अनूठी पहल के तहत ग्लोबल साउथ के 125 देशों को अपने दृष्टिकोण और प्राथमिकताओं को एक साझा मंच पर एक साथ लाया था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने आज सम्मेलन के आयोजन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल सुबह सम्मेलन को संबोधित

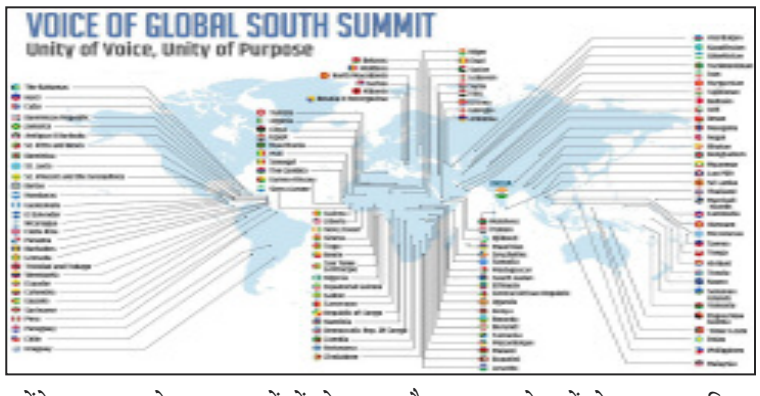

करेंगे। दूसरा सम्मेलन 10 सत्रों में होगा। उद्घाटन और समापन सत्र राज्य प्रमुख व सरकारी स्तर पर होंगे और इसकी मेजबानी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। नेताओं के उद्घाटन सत्र का विषय 'एक साथ, सबके विकास के लिए सबके विश्वास के साथ' है और समापन नेताओं के सत्र का विषय 'ग्लोबल साउथः टुगेदर फॉर वन फ्यूचर' है।

इसके अलावा 8 विषयों पर मंत्रिस्तरीय सत्र होंगे। इनके विषय विदेश, शिक्षा, वित्त, पर्यावरण, ऊर्जा, स्वास्थ्य और वाणिज्य व व्यापार से जुड़े हैं।

मुख्यमंत्री ने उद्यमी योजना के 12 लाभार्थियों को प्रथम एवं द्वितीय किश्त का सांकेतिक चेक सौंपा

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को बापू सभागार में मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत आयोजित एक दिवसीय उन्मुखीकरण एवं प्रथम किश्त वितरण समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने 12 लाभार्थियों को प्रथम एवं द्वितीय किश्त का सांकेतिक चेक प्रदान किया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज के इस कार्यक्रम में मैं आप सबका अभिनंदन करता हूं। बहुत खुशी की बात है कि मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत बहुत लोगों को काम मिल रहा है। वर्ष 2018 में मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उद्यमी योजना शुरू किया गया था। इस योजना के तहत 10 लाख रुपये दिए जाते हैं। इसमें से 5 लाख रुपये अनुदान और 5 लाख रुपये ब्याज मुक्त ऋण दिया जाता है। दो वर्ष में 4 हजार 674 युवक-युवतियों ने इसका लाभ लिया।

सीएम ने कहा कि वर्ष 2020 में जननायक कर्पूरी ठाकुर के जन्मदिन पर घोषणा की थी कि मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उद्यमी योजना की तर्ज पर मुख्यमंत्री अति पिछड़ा वर्ग उद्यमी योजना का लाभ दिया जाए। वर्ष 2021 में सात निश्चय पार्ट-2 में हमने तय किया कि इन दो कम्युनिटी के अलावा जितनी महिलाएं हैं चाहे वे किसी जाति से जुड़ी हों सारी सुविधाएं उपलब्ध करायी जायें।

नीतीश कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के तहत 10 लाख रुपये दिए जा रहे हैं। इसमें से 5 लाख रुपये अनुदान और 5 लाख रुपये ब्याज मुक्त ऋण दिया जा रहा है। सभी वर्ग की महिलाओं को इसका लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत भी 10 लाख रुपये दिए जाते हैं। इसमें से 5 लाख रुपये का अनुदान तथा 5 लाख रुपये पर मात्र एक प्रतिशत ब्याज लिया जाता है। वर्ष 2012-13 में अल्पसंख्यक वर्ग को सुविधा देने के लिए काम शुरू किया गया था। अल्पसंख्यक रोजगार ऋण योजना की जो शुरुआत करायी गई थी इसका लोग लाभ ले रहे थे। जब हमने अति पिछड़ा के लिए शुरु किया तो इसका लाभ अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को मिलने लगा।

सीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक उद्यमी योजना के तहत 10 लाख रुपये दिए जा रहे हैं। इसमें से 5 लाख रुपये अनुदान और 5 लाख रुपये ब्याज मुक्त ऋण दिया जा रहा है। इस वर्ष मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत 8 हजार लाभुकों को लाभ मिला तथा मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक उद्यमी योजना के 01 हजार 247 लाभुकों का चयन कर लिया गया, जो कुल मिलाकर 9,247 हुआ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि सब काम करें और आगे बढ़ें। राज्य सरकार जो करती है उसको प्रचार की जरूरत नहीं है, सभी लोग जानते हैं। सभी विभाग को हमने इसके लिए अलर्ट किया है कि लाभुकों को समुचित लाभ मिले। हमलोग समाज के किसी वर्ग की उपेक्षा नहीं करते हैं, सभी जाति-धर्म के लोगों के लिए काम करते हैं। हमने हमेशा कहा है कि जो भी काम किया जा रहा है उसको सबको बताने की जरूरत है। हम जहां जाते हैं घूमते हैं तो सारी पुरानी बातों को बताते हैं।

भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ ने की बैठक, समस्याओं पर चर्चा

बीएनएम@मोतिहारी। राजा बाजार स्थित बॉर्डर न्यूज मिरर सह बीएसपीएस कार्यालय में भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ की बैठक की गई। जिसकी अध्यक्षता संघ के पूर्वी चम्पारण जिलाध्यक्ष सह वरिष्ठ पत्रकार चन्द्र भूषण पाण्डेय ने की।

बैठक में संघ के राष्ट्रीय महासचिव शाहनवाज हसन ने पत्रकारों पर आए दिन हो रहे हमलें, झुठे मुकदमें इत्यादि को लेकर पत्रकारिता का गुर सिखाते हुए कहा कि आप सभी पत्रकार बंधु स्वच्छ एवं निर्भिक रूप से पत्रकारिता करें, फिर भी किसी प्रकार की समस्या आती है तो भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ आपके साथ है। वही बैठक में बिहार प्रदेश अध्यक्ष कुमार निशांत, प्रदेश सचिव सागर सूरज, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य सह वरिय पत्रकार एस एन श्याम, कोषाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह (पू.च.), अनुमंडल संयोजक संजीव जायसवाल, धर्मेंद्र कुमार दुबे, राकेश कुमार, अरविंद कुमार, अवनीश कुमार सहित अन्य पत्रकार साथी उपस्थित थे।

किसानों को मिला धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,183 रुपये प्रति क्विंटल

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में धान अधिप्राप्ति की समीक्षा बैठक की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के सचिव विनय कुमार ने प्रस्तुतीकरण के जरिए खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 के अन्तर्गत धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य, धान अधिप्राप्ति की प्रस्तावित अवधि एवं लक्ष्य के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस बार सामान्य ग्रेड के धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,183 रुपये प्रति क्विंटल रखा गया है। धान अधिप्राप्ति की प्रस्तावित अवधि 01 नवंबर से 15 फरवरी, 2024 तक रखा गया है। चरणबद्ध तरीके से धान अधिप्राप्ति की प्रक्रिया शुरू की गई है। इस वर्ष धान अधिप्राप्ति का लक्ष्य 45 लाख मीट्रिक टन रखा गया है। उन्होंने बताया कि धान अधिप्राप्ति को लेकर अब तक एक लाख 24 हजार 721 रैयत किसानों तथा एक लाख 86 हजार 358 गैर रैयत किसानों के आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनकी संख्या और बढ़ेगी। उसना चावल मिलरों की संख्या पिछले वर्ष 255 थी, जो अब बढ़कर 349 हो गई है।

बढ़ी मुश्किलें: सॉफ्टवेयर के जरिए हुआ स्कूलों का आवंटन

शिकायत मिलने पर एक्शन में आए केके पाठक

डीईओ और डीपीओ से 4 घंटे में माँगा स्पष्टीकरण

बीएनएम@ पटना। बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा नियुक्त किए गए 1।20 लाख शिक्षकों को सॉफ्टवेयर के जरिए स्कूलों को आवंटन किया गया है ,पर इस आवंटन में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की शिकायत आ रही है।इस गड़बड़ी की जानकारी मिलने के बाद बिहार सरकार के अपर मुख्य़ सचिव केके पाठक ने सख्त एक्शन लिया है।केके पाठक के निर्देश पर संबंधित जिला समस्तीपुर,सारण और सिवान के डीईओ और डीपीओ से 4 घंटे में स्पष्टीकरण की मांग की गयी है

शिक्षा विभाग(प्रशासन) के निदेशक सह अपर सचिव सुबोध कुमार चौधरी ने समस्तीपुर के डीईओ मदन राय,डीपीओ नरेन्द्र कुमार सिंह, सारण के डीईओ कौशल किशोर, डीपीओ दिलीप कुमार सिंह और सिवान के डीईओ मिथिलेश कुमार डीपीओ अवधेश कुमार को पत्र भेजकर स्पष्टीकरण मांगा है।इस पत्र में लिखा गया है कि मुख्यालय स्तर से कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक में यह तथ्य सामने आया है कि आपको जिला में विद्यालय आवंटन में शिक्षकों को युक्तिसंगत एकीकरण नहीं किए जाने एवं मुख्यालय के स्तर पर शिक्षकों के पदस्थापन के अंतिम चरण में किये गये सत्यापन के क्रम में भी वास्तविक स्थिति स्पष्ट नहीं किये जाने के कारण एक ही विद्यालय में अधिक शिक्षकों का पदस्थापन हो गया है।

जो गंभीर लापरवाही एवं आदेशल्लंघन का द्योतक है। इसलिए निर्दश दिया जाता है कि उक्त आरोप के संबंध में 4 घंटे के अंदर आप अपना स्पष्टीकरण अधोहस्ताक्षरी को समर्पित करें।आपके विरूद्ध क्यों नहीं निन्दन की सजा दी जाय।

मदद | प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के तहत हुआ कार्यक्रम

46 लाभुकों के बीच वितरित किए ऋण

बीएनएम@सहरसा । समाहरणालय स्थित विकास भवन के सभाकक्ष में गुरूवार को प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना एवं प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजनान्तर्गत ऋण वितरण शिविर एवं समीक्षात्मक बैठक आयोजित हुई।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पदाधिकारी एवं उप विकास आयुक्त के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। जिसमें लधु उद्योग को बढ़ावा देने हेतु सरकार द्वारा चलाई जा रही महत्वाकांक्षी योजनाओं यथा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना एवं प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजनान्तर्गत ऋण वितरकों को विभिन्न बैंकों से ऋण सहायता के रूप में दिया गया।

ज्ञात हो कि पिछले वर्ष सहरसा जिला माइक्रो फुड प्रोसेंसिग,मखाना पेकेजिंग एवं अन्य लधु उद्योगों को बढ़ावा देने हेतु प्रथम स्थान प्राप्त किया इस वर्ष बाईसवे स्थान पर है। ऋण का वितरण कुल 46 लाभुकों के बीच चेक दिया गया। जिसमें कुल एक करोड़ छिहत्तर लाख रूपया ऋण वितरकों को चेक के माध्यम से दिया गया। बैठक में अग्रणी बैंक प्रबंधक, जीविका एवं अन्य बैक के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कवि जाँच घर
Mob.:7033441319 Tollfree: 1800 3099 895
Address : Bhawanipur Zirat, Motihari, East Champaran-845401
website: www.kavidiagnostics.com | email: drsanjaykumar63@gmail.com
डॉ.संजय कुमार
MBBS (DAR)
MD (Microbiology)

मोतिहारी पुलिस ने ऑनलाईन ठगी का किया उद्भेदन, एक गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। साईबर थाना की पुलिस ने ऑनलाईन ठगी के मामले का सफल उद्भेदन करते हुए एक अपराधी को गिरफ्तार किया है।

इसकी जानकारी देते एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने बताया कि मोतिहारी साईबर थाना मे दर्ज कांड सं.13 / 23 की जॉच एवं घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए साइबर अपर थानाध्यक्ष पु नि उपेन्द्र कुमार को आवश्यक निर्देश दिया गया ।जिसके आलोक में मोतिहारी साईबर थाना द्वारा तकनीकी एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर ठगी हुए रूपये का डिजीटल माध्यम से स्थानान्तरण होने वाले खाते की पहचान की गयी।

उक्त खाता आईसीआईसीआई बैंक भोजपुर शाखा का चिन्हित किया गया ।वही जॉच के दौरान इस खाते में बिहार के अन्य जिलों से हुए कई संदिग्ध लेन-देन की बात प्रकाश में आयी।

मोतिहारी साईबर थाना ने पुअनि अनिल कुमार, सहार थाना,भोजपुर व सिपाही प्रिंस कुमार, साईबर थाना मोतिहारी के सहयोग से उक्त खाता धारक गोविन्द राम, थाना- सहार, जिला-भोजपुर (आरा)को गिरफ्तार कर लिया गया ।उसके खाते से होने वाले जमा निकासी पर रोक लगाते हुए ठगी हुए रूपये की बरामदगी हेतु अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

पखनहिया के गैस सिलेंडर रिसाव में दो की हुई मौत, गांव में मातम

रामगढ़वा। पखनहिया में गैस सिलेंडर रिसाव से लगी आग से जख्मी हुए लोगों में से गुरुवार को दो लोगों की मौत हो गई।इन दोनों मृतक का इलाज अलग अलग शहरों में चल रहा था। एक साथ गांव में दो की मौत होने से गांव में मातम। गांव के सभी लोगों के जुबान पर एक ही बात है भगवान यह क्या कर दिए । इसकी जानकारी देते हुए मुखिया धीरज कुमार ने बताया कि मृतक सोनू कुमार उम्र 17 पिता अशोक साह का इलाज पटना के पीएमसीएच में वहीं जोधा साह उम्र 50 पिता रामजन साह इनका इलाज मोतिहारी के एक निजी अस्पताल में चल रहा था।इन दोनों की मौत गुरुवार को हीं दोपहर के बाद मोतिहारी के अस्पताल में हीं हो गई है। उन्होंने यह भी बताया कि जोधा साह की पत्नि सोनम देवी और बेटा विनोद साह का इलाज मोतिहारी में चल रहा है।

यानी एक हीं परिवार के तीन लोग घायल हो गए थे। जिनमें जोधा साह की मृत्यु हो गई। इन्होंने बताया कि बाकी सभी का इलाज अलग अलग शहरों में चल रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि एक साथ दो लोगों की मौत हो जाने से गांव में रौनक दिखाई नहीं दे रहा है। हिन्दुओं

का महान पर्व छठ में गांव में एक दम उदासी छाया हुआ है। गांव की किसी भी लोगों के चेहरे पर मुस्कान नहीं है। जो जहां पर है वहीं पर इस गम में डूबा हुआ है व बोल रहा है कि भगवान क्या कर दिए। मालूम हो कि दो सप्ताह पहले पखनहिया गांव में खाना बनाने के समय गैस सिलेंडर रिसाव के कारण लगी आग में करीब 22 लोग जख्मी हो गए थे ।जिसमें एक दिन बाद एक महिला की मृत्यु हो गई थी ।बाकी लोगों में मिथलेश साह पिता किशोरी साह , रंजन कुमार पिता रविन्द्र साह, का इलाज पटना में इलाज मोतीहारी में चल रहा है ।बाकी लोगों का इलाज अलग अलग शहरों में चल रहा है।

रक्सौल स्टेशन परिसर में अस्थायी आश्रय की शुरूआत

मोतिहारी। जिले के रक्सौल रेलवे स्टेशन परिसर में अस्थायी आश्रय स्थल की शुरूआत की गयी। 60 बेड के बने इस अस्थायी आश्रय स्थल का उद्घाटन नगर सभापति धुरपति देवी व उप सभापति पुष्पा देवी ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया ।यह आश्रय स्थल वैसे लोगो के लिए किया गया है,जिनके पास ठंड के मौसम में कोई आश्रय नहीं है,और उन्हे खुले आसमान के नीचे रात नहीं बितानी पड़ता है।

बेतिया मे लूट कांड में शामिल तीन अपराधी आर्म्स सहित गिरफ्तार

बेतिया । जिला मे स्थित नम्र फाइनेंस लिमिटेड के फिल्ड ऑफिसर सत्येंद्र कुमार से विगत आठ नवंबर को दो लाख चालीस हजार की लूट मामले का पुलिस ने पर्दाफांस कर दिया है। मामले में पुलिस तीन अपराधी को आर्म्स सहित पकड़ लिया है। लूटी गई रकम भी बरामद कर लिया है। एसपी अमरकेश डी. ने गुरुवार को बताया कि जिले के मझौलिया थाना क्षेत्रस्थित सेनवरिया निवासी निर्भय राम, घोठा टोला नानोसती वार्ड एक के अफजल आलम व पूर्वी चंपारण के हरिसिद्धि थाना क्षेत्र अंतर्गत बमनधवई गांव निवासी अनिल गुप्ता उर्फ कैंडी को गिरफ्तार किया है। उनके पास से एक देशी हथियार, कारतूस, लूट में प्रयुक्त प्लसर व अपाची बाइक तथा उनके द्वारा उपयोग की जा रही दो मोबाइल फोन बरामद किया है।

एसपी ने बताया कि गिरफ्तार अफजल शराब के कांड में पूर्व में जेल जा चुका है। जबकि निर्भय व अनिल गुप्ता साईबर क्राइम के मामले में शामिल रहे है। पुलिस तीनों को रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी।

छठ: नहाय खाय के साथ लोक आस्था का महापर्व की शुरुआत आज से

मोतिहारी। लोक आस्था का महापर्व छठ 17 नवंबर से शुरू हो रहा है। गुरवार को महाकाल मंदिर के पुरोहित गुरु साकेत ने बताया कि चार दिन तक चलने वाली छठ पूजा की शुरुआत नहाय खाय से होती है। इस दिन व्रती गंगा स्नान करने के बाद पूजा करती हैं। इसके बाद मिट्टी के चूल्हे पर अरवा चावल, चने की दाल और कद्दू की सब्जी का प्रसाद बनाती हैं। नहाय-खाय के दिन कद्दू खाने का खास महत्व है। इसे व्रती सहित परिवार के सभी सदस्य प्रसाद के तौर पर ग्रहण करते हैं। प्रसाद तैयार करते समय शुद्धता का विशेष तौर पर ख्याल रखा जाता है। सुधांशु मिश्रा ने बताया कि नहाय खाय के दिन कद्दू खाने के पीछे धार्मिक मान्यताओं के साथ वैज्ञानिक महत्व भी है। इस दिन प्रसाद के रूप में कद्दू-भात ग्रहण करने के बाद व्रती 36 घंटे निर्जला उपवास पर रहती हैं।

मंथन | मोतिहारी जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक

उद्यम उन्नयन योजना के ऋण स्वीकृति एवं भुगतान हेतु समीक्षा बैठक आयोजित

मोतिहारी। मोतिहारी जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला उद्योग केंद्र, मोतिहारी के तत्वधान में डॉ राधाकृष्णन सभागार, मोतिहारी में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के ऋण स्वीकृति एवं भुगतान हेतु अग्रणी जिला प्रबंधक /जिला समन्वयको के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजनान्तर्गत सभी लाभुकों को ससमय लाभ पहुंचाया जाए।

जिले भर में वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्राप्त लक्ष्य 603 के विरुद्ध विभिन्न बैंक शाखाओं में भेजे गए 278 आवेदन पत्र स्वीकृत एवं 145 भुगतान हेतु सभी लाभार्थियों को ऋण भुगतान

करने का निर्देश दिया गया।

पीएमईजीपी टू योजनान्तर्गत मात्र तीन ऋण आवेदन पत्र भेजे गए जिले के बैंक शाखा को ऋण स्वीकृति एवं भुगतान करने का निर्देश दिया गया। पीएमएफएमई योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्राप्त लक्ष्य 402 के विरुद्ध विभिन्न बैंकों द्वारा ऋण स्वीकृत मात्र 206 एवं भुगतान104 पर जिला समन्वयक को निर्देश दिया गया एवं सभी स्वीकृत आवेदक को ऋण भुगतान जल्द से जल्द करने का निर्देश दिया गया। निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि अग्रणी जिला प्रबंधक, सभी जिला समन्वक जल्द से जल्द लाभुको तक ऋण एवं भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

इस अवसर पर महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र मोतिहारी, अग्रणी जिला प्रबंधक, जिला समन्वयक, सभी बैंक प्रबंधक आदि उपस्थित थे।

चन्द्रा लाईफ लाईन हॉस्पीटल प्रा. लि.
ISO
डा. चन्द्र सुभाष
M.B.B.S. DMCH (Darbhanga)
M.S., D-Ortho, Ph.D. (Ortho-R)
F.C.G.P. (Chennai), D.N.B.1 (New Delhi)
Reg. No.- 34216 (Bihar)
हड्डी, जोड़ नस एवं गठिया रोग विशेषज्ञ एवं सर्जन
24/7 Emergency Services
डा. हेना चन्द्रा
M.B.B.S. DMCH (Darbhanga)
P.G. Diploma (MCH) Jaipur
P.G. Diploma (sonology)
Gold Medalist
Reg. No.- 40386 (Bihar)
स्त्री, बाँझपन एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
1. Ultrasonography, 2. Mammography, 3. X-ray, 4. Pathology Lab, 5. ECG, 6. Ambulance, 7. ICU
स्थान- चरखा पार्क के पश्चिम वाली रोड में जिला परिषद के सामने, स्टेशन रोड, बेलबनवा, मोतिहारी, पूर्वी चम्पारण
नोट:- हमारे यहाँ लगभग सभी हेल्थ ईश्योरेंस का कैशलेश ईलाज किया जाता है।
Mob.- 9471418204, 9471418205, 9471418206, 9471418109

जिले के लैब टेक्नीशियन का हुआ प्रशिक्षण

विस्फोट के कारण आसपास की कुछ दुकानें और मकान क्षतिग्रस्त हो गए

मृतक के परिजनों को दो-दो लाख, घायलों को 50-50 हजार का मुआवजा

बीएनएम@मोतिहारी। सदर अस्पताल परिसर स्थित जी एन एम पारा मेडिकल छात्रावास में 3 साइट के 15 लैब तकनीशियनों, जीएनएम, बीसीएम, बीएचएम, भीबीडीएस को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान जिला भीबीडीसी पदाधिकारी डॉ शरत चंद्र शर्मा ने कहा कि फाइलेरिया रोग के संभावित मरीजों की पहचान के लिए पाँच प्रखंडों के चिह्नित साइटों पर स्वास्थ्यकर्मियों की टीम द्वारा नाइट ब्लड सर्वे अभियान संचालित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मोतिहारी शहरी क्षेत्र, घोड़ासहन, रक्सौल, बंजरिया, तुरकौलिया में 3 नये साइट यथा दो स्थाई एवं एक अस्थाई साइट का चयन करते हुये प्रत्येक साइट से 300-300 कुल 900 स्लाइड का संग्रहण करना है। नाइट ब्लड सर्वे कार्यक्रम के सफल संचालन एवं क्रियान्वयन हेतु प्रत्येक साइट पर अलग अलग तीन दलों का

का गठन किया जाना है। राज्य के निर्देशानुसार प्रत्येक दल में चार स्वास्थ्यकर्मी होना आवश्यक है। सभी दलों में एक-एक एलटी होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि जाँच स्थल पर बीसीएम /बीएचएम, सीएचओ, जीएनएम ,भीबीडीएस कैंप इंचार्ज एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी रहेंगें। साथ ही संबंधित क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता, आँगनबाड़ी, सेविका, जीविका एवं जनप्रतिनिधि भी मोबिलाइजर के रूप में कार्य करेंगे।

रात के 8:30 से 12 बजे तक लिए जाते हैं रक्त के नमूने:

वेक्टर रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ शरतचंद्र शर्मा ने बताया कि इस अभियान में रक्त के नमूने रात के 8:30 से लेकर 12 बजे तक लिए जाते हैं। उन्होंने बताया कि रात में सैंपल लेने का मुख्य कारण है कि इस समय फाइलेरिया के परजीवी ज्यादा एक्टिव होते हैं। ब्लड सैंपल कलेक्शन के बाद 24 घंटे के अन्दर स्टैनिंग की प्रक्रिया को करा लिया जाएगा।

माइक्रो फाइलेरिया दर 1प्रतिशत या अधिक होने पर चलेगा सर्वजन दवा सेवन अभियान-

सिविल सर्जन डॉ अंजनी कुमार ने बताया कि जाँच के दौरान माइक्रो फाइलेरिया दर 1 प्रतिशत या अधिक होने पर 10 फरवरी से सर्वजन दवा सेवन अभियान की शुरुआत की जाएगी। जिसमें 2 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों को अल्बेंडाजोल एवं डीईसी की गोली आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व स्वास्थ्यकर्मियों की देखरेख में खिलाई जाएगी।

मौके पर सहायक डीभीडीसीओ डॉ आलोक कुमार, डब्ल्यूएचओ की रीजनल कोऑर्डिनेटर माधुरी देवराज, यूनिसेफ़ के धर्मेंद्र कुमार, पिरामल फाउंडेशन जिला प्रतिनिधि मुकेश कुमार, भीडीसीओ सत्यनारायण उराँव, रविंद्र कुमार, धर्मेंद्र कुमार, चंद्रभानु सिँह, दिनेश कुमार व अन्य लोग उपस्थित थे।

जिले के दर्जनों विद्यालय में पुलिस व SSB का कब्जा

मोतिहारी। जिले के मेहसी, पिपरा कोठी व आदापुर प्रखंड के चार विद्यालयो में पुलिस व एसएसबी के कब्जे से मुक्त करने के लिए डीईओ संजय कुमार के द्वारा संबंधित थानेदारों की घंटी बजाई है। बताया जाता है कि प्राथमिक विद्यालय प्रतापपुर मेहसी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय पिपराकोठी, यूएमएस हरपुर व उच्च माध्यमिक विद्यालय कोरईया में पुलिस व एसएसबी के जवानों के कब्जे से मुक्त कराने के लिए डीईओ ने संबंधित थाने के थानाध्यक्षों मोबाइल पर बात की है। लेकिन उक्त थाने के थानाध्यक्षों से विद्यालय भवन के कमरे को खाली करने की कोई सकारात्मक जबाब नही मिला है। जबकि यूएमएस हरपुर के प्रभारी प्रधानाध्यापक के द्वारा डीईओ को छह महीने पूर्व आवेदन दिया था।उक्त विद्यालय के भवन कमरे पर पुलिस ने वर्षो से कब्जा कर आवासीय भवन के रूप में प्रयोग करते है।

बाल पंचायत-हमारा दरबार एवं सखी वार्ता का हुआ आयोजन

उड़ान, मिशन शक्ति व महिला हेल्पलाइन का हुआ संयुक्त बैठक

सहभागिता के अधिकार के तहत मुखिया को बच्चों ने सौंपा पंचायत के विकास का एक मांग पत्र

बीएनएम@मोतिहारी

पिपराकोठी प्रखंड के पण्डितपुर पंचायत में समाज कल्याण विभाग महिला एवं बाल विकास निगम , यूनिसेफ के सहयोग से बाल रक्षा भारत सेव द चिल्ड्रेन द्वारा संचालित उड़ान परियोजना तथा मिशन शक्ति एवं वन स्टॉप सेंटर महिला हेल्पलाइन के संयुक्त तत्वावधान में बाल पंचायत-हमारा दरबार एवं सखी वार्ता का आयोजन किया गया।

यह आयोजन बच्चों के सहभागिता के अधिकार के तहत बाल पंचायत का आयोजन किया गया। इस बाल पंचायत व सखी वार्ता में शामिल बच्चों के द्वारा गांव, पंचायत और विद्यालय के विकास के लिए कई मांग किए गए और मुखिया को मांग पत्र सौंपा गया।

इस अवसर पर उड़ान परियोजना के जिला समन्वयक हामिद रजा ने बच्चों के मुख्य चार अधिकार जीवन जीने का अधिकार, विकास का अधिकार, संरक्षण का अधिकार और सहभागिता का अधिकार को विस्तृत रूप से बच्चों को बताया गया।

इस अवसर पर मिशन शक्ति के जिला समन्वयक एजाज अहमद व महिला हेल्पलाइन के दीक्षा गुप्ता ने सखी वार्ता के संदर्भ में विस्तृत रूप से जानकारी दी।साथ ही महिला हेल्पलाइन 181 के संदर्भ में जानकारी दी।

इस बाल पंचायत के माध्यम से किये गए मांग पत्र में गांव के सड़क कितने रौशनी की समुचित व्यवस्था हो, विद्यालय की चहारदीवारी की व्यवस्था, पीने के पानी की समुचित व्यवस्था हो, क्लास में बेंच की समुचित व्यवस्था की जाए, साइकिल स्टैंड बनाई जाए, जन वितरण प्रणाली के दुकानों में चावल ,गेंहू के साथ साथ दाल, आटा, तेल सहित अन्य सुविधा प्रदान की जाए, कंप्यूटर की शिक्षा देने की समुचित व्यवस्था की जाए, क्लास में बच्चों की संख्या के आधार पर पंखे की व्यवस्था की जाए ,सड़क पर हो रहे जल जमाव से मुक्ति की व्यवस्था, पंचायत में वोकेशनल ट्रेनिंग की व्यवस्था की जाए , स्कूल में खेल का मैदान बनाई जाए, लड़कियों के लिए अलग से पंचायत और गांव में सुरक्षित खेल का मैदान बनाई जाए सहित अन्य मांग बच्चों ने रखी।

इस अवसर पर उड़ान परियोजना के जिला समन्वयक हामिद रज़ा, प्रखंड समन्वयक जितेंद्र कुमार सिंह,मिशन मिशन शक्ति के जिला समन्वयक एजाज अहमद व महिला हेल्पलाइन के दीक्षा गुप्ता, विकास मित्र रिंकी भारती, कमल बैठा, संकल्प किशोरी समूह की अध्यक्ष निशि कुमारी, खुशी कुमारी, प्रिया कुमारी, ब्यूटी कुमारी, गुंजा कुमारी, सोनाली कुमारी, नीता कुमारी, नीतू कुमारी, संजना कुमारी, समृद्धि कुमारी, काजल कुमारी, जूली कुमारी, ज्योति कुमारी, किशोर समूह के अध्यक्ष जयकिशोर बैठा, संजीत ,सचिन, मुन्ना, संजीत, अभिमन्यु, प्रभात, मोहित सहित बड़ी संख्या में बच्चे शामिल हुए।

BORDER NEWSMIRROR

Editorial

Friday 17 November 2023

क्रिकेट का कोहिनूर विराट कोहली

विराट कोहली का क्रिकेट के मैदान में जुझारु तरीके से खेलने के अलावा एक दूसरा भी चेहरा है। वे जब क्रिकेट नहीं खेल रहे होते, या कहें कि फुर्सत में होते हैं तो वे सपरिवार वृंदावन जाना पसंद करते हैं। विराट कोहली वृंदावन में श्री परमानंद जी का आशीर्वाद लेने जाते हैं। वे ऋषिकेश में दयानंद गिरि आश्रम में भी जाते हैं। दयानंद गिरि आश्रम में विराट और उनकी पत्नी अनुष्का तीन बार यात्रा कर चुकी हैं। वे इस साल के आरंभ में उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर भी पहुंचे। उन्होंने सुबह चार बजे भस्म आरती की और भगवान का आशीर्वाद लिया। विराट कोहली ने आरती के बाद मंदिर के गर्भगृह में जाकर पंचामृत पूजन अभिषेक किया। विराट कोहली ने गले में रुद्राक्ष की माला भी धारण की। अगर विराट कोहली की शख्सियत के इस पक्ष से हटकर बात करें तो वे आजकल अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं। वे सारी दुनिया की क्रिकेट के सबसे सम्मानित खिलाड़ी बन चुके हैं। विराट कोहली का आगामी 5 नवंबर को 35 वां जन्मदिन है। उस दिन वे कोलकाता के ईडन गार्डन मैदान में खेल रहे होंगे। उनके क्रिकेट मैदान की शतकों का उनके करोड़ों फैंस को इंतजार रहता है। क्या विराट कोहली अपने जन्मदिन पर साउथ अफ्रीका के बीच होने वाले मुकाबले में शतक मारेंगे? विराट कोहली वनडे क्रिकेट में एक महा रिकॉर्ड से एक शतक दूर हैं। पिछले मैच में वे इस रिकॉर्ड से महज 5 रन दूर रह गए थे। विराट के नाम वनडे में 48 शतक दर्ज हैं, सबसे ज्यादा शतकों का रिकॉर्ड 49 का है जो सचिन तेंदुलकर के नाम है। अपनी तमाम उपलब्धियों के बावजूद विराट कोहली की विनम्रता अनुकरणीय है। वे बिशन सिंह बेदी के सार्वजनिक रूप से चरण स्पर्श करते थे। दिल्ली क्रिकेट के केन्द्र फिरोजशाह कोटला मैदान में होने वाले कार्यक्रमों में विराट कोहली कई बार बेदी के चरण स्पर्श करते देखे गए थे। उन्होंने यह मुकाम परिश्रम, साधना और पक्के इरादे से पाया था। विराट कोहली का संबंध दिल्ली के एक सामान्य बिजनेस करने वाले परिवार से है।

निर्वाचन काल 'ऐसे हो सकता है' देश का ऊंचा भाल

प्रहलाद सबनानी

भारत आज वैश्विक पटल पर एक महत्वपूर्ण आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है एवं भारत विश्व को कई क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान करने की स्थिति में भी आ गया है। कुछ देश (चीन एवं पाकिस्तान सहित) भारत की इस उपलब्धि को सहन नहीं कर पा रहे हैं। वैश्विक स्तर पर समस्त विघटनकारी शक्तियां मिलकर भारत को तोड़ना चाहती हैं। इन विघटनकारी शक्तियों द्वारा भारत में जातीय संघर्ष खड़ा करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। जबकि भारत के कई सांस्कृतिक, धार्मिक एवं आध्यात्मिक संगठन समस्त भारतीय समाज में एकजुटता बनाए रखना चाहते हैं ताकि भारत को एक बार पुनः विश्वगुरु बनाया जा सके। परंतु, आज विघटनकारी शक्तियों के निशाने पर मुख्यर रूप से हिंदुत्व, भारत एवं संघ आ गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने स्वयंसेवकों में राष्ट्रीयता का भाव विकसित किया है। सज्जन शक्ति के साथ मिलकर समाज में जागरुकता लाने का प्रयास कर रहे हैं कि किस प्रकार इन विघटनकारी शक्तियों को परास्त किया जा सकता है। भारत में शीघ्र ही निर्वाचन काल प्रारंभ होने जा रहा है। भारतीय लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने के लिए आज राष्ट्र को भारत माता के प्रति समर्पण का भाव रखने वाले नागरिकों की बहुत अधिक आवश्यकता है। अतः भारतीय समाज द्वारा निर्वाचन में 100 प्रतिशत मतदान किया जाय एवं राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत उम्मीदवार ही चुनाव जीत सकें, इसके लिए समाज को साथ लेकर भारतीय नागरिकों द्वारा विशेष प्रयास किये जाने चाहिए। इस संदर्भ में भारतीय चुनाव आयोग द्वारा भी कई तरह के प्रयास समय समय पर किए जाते हैं ताकि देश के नागरिकों द्वारा 100 प्रतिशत मतदान किया जा सके। निश्चित ही 50 प्रतिशत नागरिकों द्वारा चुने गए प्रतिनिधि की तुलना में 90 अथवा 100 प्रतिशत नागरिकों द्वारा चुने गए प्रतिनिधि बेहतर प्रतिनिधि ही साबित होंगे। अतः अधिक से अधिक मतदान किया जाना आज समय की आवश्यकता है। इससे चुने गए प्रतिनिधियों की गुणवत्ता में तो सुधार होगा ही साथ ही, वर्तमान समय में भारत की आर्थिक प्रगति भी जारी रह सकेगी एवं भारत को विश्व गुरु के रूप में स्थापित होते हुए भी हम लोग देख सकेंगे। कई बार विभिन्न दलों के समस्त उम्मीदवार कुछ मतदाताओं को पसंद नहीं आते हैं, इन परिस्थितियों में ऐसे मतदाताओं को नोटा का बटन दबाने का अधिकार रहता है। परंतु, कोई उम्मीदवार मतदाता की नजर में 100 प्रतिशत खरा उम्मीदवार होगा, ऐसा सम्भव भी तो नहीं है। इन परिस्थितियों में कम से कम बुरे उम्मीदवार को चुना जा सकता है। नोटा का बटन दबाकर तो कम बुरे उम्मीदवार के स्थान अधिक बुरा उम्मीदवार ही चुना जा सकता है। संघ के परम पूज्य सर संघचालक भी कहते हैं कि 'नोटा में हम लोग सर्वोत्तम को भी किनारे कर देते हैं और इसका फायदा सबसे बुरा उम्मीदवार ले जाता है। होना यह चाहिए कि हमारे पास जो सर्वोत्तम उपलब्ध है, उसे चुन लें। प्रजातंत्र में सौ फीसदी लोग सही मिलेंगे, ऐसा बहुत मुश्किल है।' यह आकलन पूर्णतः सही ही कहा जा सकता है क्योंकि मतदाता भले ही नोटा दबा कर यह समझे कि उसने सभी उम्मीदवारों को अस्वीकार कर दिया है लेकिन शायद उसे यह नहीं पता होता कि इस से किसी ऐसे उम्मीदवार की कम अंतर से हार हो सकती है जो उन सबमे सबसे बेहतर हो।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Today's **Opinion**

कैसे खून से लथपथ होने से बचें हमारी सड़कें

आर.के. सिन्हा

एक बार फिर से देश में सड़क हादसों पर आई एक सरकारी रिपोर्ट को पढ़कर कोई भी इंसान डर जाएगा । समझ नहीं आता कि आखिर कैसे हम अपने यहां होने वाले सड़क हादसों के कारण होने वाली मौतों पर काबू कर पाने में सफल होंगे। फिलहाल तो स्थिति सच में बेहद चिंताजनक है। हाल ही में आई रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल यानी 2022 में 4.61 लाख सड़क हादसे हुए। इन दुर्घटनाओं में 1.68 लाख लोगों ने जान गंवाई। ये वास्तव में एक बहुत ही बड़ा आंकड़ा है। इन आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि तकरीबन हर एक घंटे में 53 सड़क हादसे हुए। हम जिस रिपोर्ट की बात कर रहे हैं उसे सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने ही जारी किया है। हादसों का वे अभागे लोग खासतौर पर शिकार हुए जो सीट बेल्ट और हेलमेट का इस्तेमाल नहीं करते। मेरा मानना है कि हमारे यहां निजी कारों और दूसरे वाहनों को चलाने वाले ड्राइवरों को जितना काम करना पड़ता है उसके चलते भी बहुत सारे हादसे होते हैं। एक औसत ड्राइवर दिन में 14-15 घंटे ड्यूटी करता है। उसे सोने का सही से मौका नहीं मिलता। उसकी कायदे से नींद पूरी ही नहीं हो पाती। चूंकि उसे अपने बीवी-बच्चों का पेट भरना होता है इसीलिए उसे दिन-रात गाड़ी चलानी पड़ती है। अमृत मान ने 1986 से लेकर 1991 तक अपनी सेकेंड हैंड एंबेसडर कार को टैक्सी के रूप में चलाया। उसके बाद उन्होंने धीरे-धीरे कई टैक्सियां खरीद कर अपनी ट्रांसपोर्ट कंपनी खोल ली। अमृत मान कहते हैं कि वे मन से अब भी ड्राइवर हैं। वे कहते हैं- 'ड्राइवरी के पेशे में सिर्फ खटना होता है। ड्राइवर के सुख-दुख से किसी को कोई सरोकार नहीं होता। उसके जीवन में जिल्लत और अपमान ही है। उसने कब खाना खाया या नहीं खाया, वो कहां सोया या नहीं सो पाया, इससे आमतौर पर किसी कोई को लेना-देना नहीं होता।' आप कभी किसी सरकारी या अन्य बिल्डिंग की पार्किंग को देख लें। वहां पर सैकड़ों कारें खड़ी मिलेंगी। किसी एक कार के बोनट पर चार-पांच ड्राइवर ताश खेल रहे होते हैं। उन्हें उनके कुछ साथी देख भी रहे होते हैं। अचानक से बॉस का फोन आया। एक ड्राइवर ने अपने ताश के पत्ते साथी को दिए और निकल पड़ा बॉस को लेने। यही ड्राइवर की जिंदगी है। कब कहां जाना है, कुछ पता नहीं। उसे सवाल पूछने तक का हक नहीं है। उसकी ड्यूटी का कोई समय नहीं। आपको देश के बहुत सारे शहरों में सड़क किनारे टैक्सी स्टैंड मिलेंगे। वहां पर कुछ ड्राइवर चारपाई पर बैठे होते हैं। पीछे एक छोटा सा टेंट लगा होता है। इन टेंटों के आसपास ही ड्राइवरों की जिंदगी गुजर जाती है। टेंट में चाय बनाने वाला एक स्टोव भी रखा होता है। कई ड्राइवरों से बात हुई। सबका कहना था कि जब किसी को लेकर शहर से बाहर जाते हैं, तो रात को गाड़ी में ही सो जाते हैं। इतना पैसा तो मिलता नहीं कि होटल या धर्मशाला में रुक सके। बेशक, ड्राइवरी के पेशे से वे ही जुड़ते हैं जिनके पास कोई विकल्प नहीं होता। कोई भी ड्राइवर नहीं बनना चाहता। कोई ड्राइवर अपने बच्चों को ड्राइवर बनाना भी नहीं चाहता। पर मजबूरी क्या नहीं करवाती। औसत ड्राइवर तो जीवन भर संघर्ष ही करता रहता है। चूंकि ड्राइवरों को रोज 14-15 घंटे तक काम करना होता है तो इनकी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है। सोने का इन्हें समय नहीं मिलता। इसका नतीजा यह होता है कि इतने ज्यादा हादसे होते हैं। ड्राइवर कभी यह नहीं कह सकता कि रात के वक्त चलना खतरे से खाली नहीं है। ड्राइवरों को तो हुक्म को मानना ही है। उसकी सिर्फ कमी निकाली जाएगी। कौन सुनता है उसकी कहानी। आप जानते हैं कि टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमेन सायरस मिस्त्री की एक सड़क हादसे में ही अकाल मौत हुई थी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा, मशहूर कलाकार जसपाल भट्टी, कांग्रेस नेता राजेश पायलट और केन्द्रीय मंत्री गोपीनाथ मुंडे सड़क हादसों का ही शिकार हुए। अभी तो इन्हें देश को बहुत कुछ देना था। सायरस मिस्त्री की मौत से भारत का आमजन और कॉरपोरेट संसार हिल गया था।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन नः-06252-296796,
प्रसारः-9470050309 ईमेलः- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

बच्चों में बढ़ती ऑनलाइन शापिंग की आदत, कैसे कंट्रोल करें

स्नेहा सिंह

बच्चों की ऑनलाइन शापिंग की आदत बड़ों का बजट बिगाड़ देती है। अगर मां-बाप बच्चों की छोटी उम्र से ही बचत की आदत डालते हुए पालें-पोसें तो आगे चल कर उनकी जिंदगी आसान बन जाएगी। पूर्वी, तुमने फिर से शापिंग की? मेरे एकाउंट से दो हजार रुपए कट गए हैं। मोना ने बेटी से पूछा। पूर्वी अभी भी फोन में शापिंग साइट्स सर्च कर रही थी। फोन में ही आंखे गड़ाए हुए उसने कहा, हां मॉम, कल की है, दो टीशर्ट खरीदी हैं। एक बेल्ट फ्री मिली है। और हां, एक जींस आज ली है। केवल 999 की।

अरे, पर तुम्हें पूछना तो चाहिए। मुझे आज लाइट बिल भरना है। अब कुछ मत खरीदना ऑनलाइन, खाते में थोड़े ही रुपए हैं। कालेज की फीस भी तो भरनी है। अभी फिल्म देखने या घूमने न जाओ तो ठीक रहेगा। जब तक कोरोना का नुकसान न पूरा हो जाए, ज्यादा पैसे मत खर्च करो। पैसा बचाना सीखो बेटा। देखो न, लाइट बिल ही तीन हजार रुपए आया है। जिस तरह एसी चलाती हो, उस तरह कोई एसी चलाता है।

इंटरनेट का भी खर्च थोड़ा कम करो। एक तो सागसब्जी कितनी महंगी हो गई है। भगवान न करे ऐसे में किसी की तबीयत खराब हो गई तो अस्पताल का खर्च फाइवस्टार होटल की तरह आता है। इसीलिए तो हमारे बड़े-बुजुर्ग कहते थे, 'जितनी चादर हो, उतना ही पैर फैलाओ।'

मोना ने पूर्वी को अपनी बात समझाने की बहुत कोशिश की कि उनकी बात बेटी के गले उतर जाए, पर पूर्वी की पिन तो मोबाइल की ऑनलाइन आकर्षक शापिंग पर ही चिपकी थी। अब इस बात में चादर कहां से आ गई? लेनी है क्या? देखो, यह कॉटन की चादर कितनी अच्छी है। आर्डर कर दूं? कलर कितना सुपर है।

न, नहीं चाहिए। वैसे भी फोटो में बहुत अच्छी लग रही है। पर आने पर रंग कुछ और ही निकलता है।

तो वापस कर देंगे।

पर बिना जरूरत के कोई भी चीज खरीदने की जरूरत ही क्या है? इस तरह रोज-रोज खरीदारी करने से तो खजाना ही लुट जाएगा। मम्मी एक काम कीजिए। पापा से कह कर मुझे क्रेडिट कार्ड दिला दीजिए। आप को बैलेंस देखने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

पूर्वी अपनी बात कह रही थी कि तभी उसके पापा रजनीश आ गए। उन्होंने कहा, बोलो... बोलो, मेरी राजकुमारी को क्या चाहिए? क्रेडिट कार्ड चाहिए पापा। मम्मी अपने एकाउंट से खर्च ही नहीं करने देतीं। मम्मी बहुत कंजूस है न पापा। मुझे क्रेडिट कार्ड दिला दीजिए। मैं ज्यादा शापिंग नहीं करूंगी। केवल कपड़ा और शूज बस?

पूर्वी को पता था कि उसकी मीठी-मीठी बातों में पापा आ ही जाएंगे। इसलिए उनके नजदीक जा कर प्यार से मस्का लगाने लगी।

पर पूर्वी मैं तुम्हें समझा रही हूं कि बिना जरूरत के शापिंग नहीं करनी है। मोना चिल्लाई।

करेगी... मेरी बेटी करेगी। मोना एक ही तो बेटी है। इसके तो शौक पूरे करने देना चाहिए न? रजनीश ने बेटी का पक्ष लेते हुए कहा। मोना ने कहा, अगर यह अभी से बचत करना नहीं सीखेगी तो पछताएगी। तुम ही इसे समझाओ। अलमारी भरी है। पैसा कमाने के लिए हम दोनों कितनी मेहनत करते हैं।

ठीक है। पर सब इसी के लिए तो है। बेटा, तुम्हारा क्रेडिट कार्ड कल बनवा देता हूं।

यस्स, अब तो मजा ही मजा। मम्मी, आप तो देखती ही रह गई। अब तो मैं खूब शापिंग करूंगी। कहते हुए पूर्वी खुशी के मारे घर से बाहर निकल गई। एक महीने बाद रजनीश ने देखा कि क्रेडिट कार्ड से पूर्वी ने दस हजार की शापिंग की थी। मोना ने कहा, इस तरह तो इस लड़की की शापिंग की लत लग जाएगी।

अब क्रेडिट कार्ड वापस लेना भी आसान नहीं था। क्रेडिट कार्ड वापस लेने पर पूर्वी को बुरा लग गया और उसने कोई गलत कदम उठा लिया तो? एकलौती बेटी को नाराज करना उचित नहीं था। इसलिए उन्होंने कोई

दूसरा उपाय अपनाने के बारे में सोचा।

रजनीश और मोना ने मिल कर एक व्यवस्थित प्लान बनाया। उन्होंने पूर्वी को बुलाया। पहले तो उसके द्वारा की गई शापिंग को देखा। तारीफ भी की। फिर एक-दो चीज के लिए पूछा भी, यह तो अपने पास थी न? यह टॉप महंगा नहीं लग रहा?

पर पूर्वी इस तरह उत्साह में थी कि उसे जरा भी पछतावा नहीं हुआ। यह देख कर रजनीश ने कहा, अगले महीने से हम तुम्हें एक ऑफर देने के बारे में सोच रहे हैं। मैं तुम्हारे खाते में पांच हजार रुपए जमा कराऊंगा। बस, पांच हजार? पूर्वी तुरंत बोल पड़ी। इसलिए मोना ने कहा, यहां ऐसे तमाम लोग हैं, जिनका इतना वेतन भी नहीं है बेटा। ऐसा मत बोलो, पांच हजार में तो पूरे महीने का राशन आ जाता है। रजनीश ने कहा, अरे सुनो तो सही, मैं तुम्हें पांच हजार दूंगा, इसमें से जितना तुम बचाओगी, उतना अगले महीने अधिक दूंगा। समझ लीजिए कि तुम ने चार हजार खर्च किए तो अगले महीने छह हजार मिलेंगे और बिलकुल न खर्च करूं तो दस हजार? हां, पर हर महीने तुम्हारी खर्च की लिमिट पांच हजार ही रहेगी। बाकी की बचत तुम्हारे खाते में जमा रहेगी। साल के अंत में उसमें से तुम्हारी पसंद की कोई चीज दिला देंगे। मोबाइल या फिर लैपटॉप?

कोई भी चीज जो तुम्हें पसंद होगी।

ओके डन। पूर्वी को यह अच्छा लगा। अगले महीने से स्कीम चालू हो गई। पूर्वी ने दो हजार बचाए। राज ने उस महीने हजार रुपए दिए। पूर्वी का उत्साह बढ़ता गया। उसकी बचत करने की आदत बनती गई और खर्च अपने आप घटता गया। आजकल ऑनलाइन शापिंग की आदत बड़ोंबड़ों का बजट बिगाड़ देती है। अगर सभी किसी न किसी तरह बचत का विकल्प अपनाएं तो खर्च अपने आप घट जाएगा और अगर ऑनलाइन शापिंग की आदत बढ़ती ही जाए तो खुद ही कार्ड जमा करा दें तो अच्छा रहेगा।

पहले मां-बाप खुद ही अपना फालतू का खर्च कम करें और बच्चों में कम उम्र से ही बचत की आदत डालें, जिससे उनकी जिंदगी आसान बन जाए।

पैसे बचाना कोई 'रॉकेट साइंस' नहीं, बस न करें ये गलतियां

जब भी हम लोन लेने की सोचते हैं, एक अहम सवाल हमारा पीछा करता है। वह है क्रेडिट स्कोर...। क्रेडिट इन्फोर्मेशन ब्यूरो (इंडिया) लिमिटेड (सिबिल) एक क्रेडिट रेटिंग फर्म है, जो 550 मिलियन से अधिक उपभोक्ताओं तथा संगठनों की क्रेडिट हिस्ट्री को मैनेज करती है। इसमें वित्तीय संस्थानों, एनबीएफसी, बैंकों एवं होम फाइनैंसिंग कंपनियों सहित 2400 से अधिक सदस्य शामिल हैं। यह ऋण लेने वाले की स्थिति का अनुमान लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अधिक सिबिल स्कोर होने पर व्यक्ति या संस्थान को लोन मिलने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं दूसरी ओर सिबिल स्कोर कम होने पर, अगर लोन मिल भी जाए तो भी ब्याज अधिक देना पड़ता है। सही तरीके अपनाकर आप अपनी क्रेडिट रेटिंग में सुधार ला सकते हैं।

समय पर चुकाएं ईएमआई: होम लेने लेते समय आप अलग-अलग होम लोन के बीच तुलना करें। देखें कि किसमें आपको ऑफर मिल रहे हैं या फायदा होता है। होम लोन के कई फायदे होते हैं। सबसे पहले तो आपको कर में फायदा मिलता है। सरकार होम लोन पर मूल राशि एवं ब्याज पर कर में छूट देती है। अगर आप दूसरे घर के लिए लोन ले रहे हैं तो आयकर की धारा 24बी के तहत होम लोन के ब्याज की पूरी राशि पर छूट मिलती है। इसके अलावा अन्य कई फायदे भी हैं।

हालांकि जब भी होम लोन लें, आप पूरी योजना बनाकर चलें कि आपको समय पर ईएमआई चुकानी है। सोच-समझ कर फैसला लें कि आपको कितना कर्ज लेना है। आप प्री-पेमेंट की योजना भी बनाकर चल सकते हैं। इसके लिए सही बजट बनाएं, उसी के हिसाब से प्रॉपर्टी ढूंढें, फिर विभिन्न बैंकों के लोन की तुलना करें। उसके बाद ही आवेदन करें।

कैसे सुधारें क्रेडिट स्कोर: आप जब भी ऋण लें, उसे चुकाने में अनुशासन बरतें। भुगतान के लिए रिमाइंडर लगाएं। अपनी क्रेडिट लिमिट सेट कर लें। अगर लोन रिजेक्ट हो जाए तो आवेदन न करें। क्रेडिट कार्ड के बिल का भुगतान समय पर करें। एक समय में बहुत सारा लोन एक साथ न लें।

इंडेक्स फंड में निवेश: इंडैक्स फंड में निवेश करें। ये आपके दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए फायदेमंद हैं।

खुलवा रहे हैं बच्चों का Bank Account तो ध्यान रखें

आज के समय में वित्तीय सेवाएं एक आयु वर्ग तक सीमित नहीं रह गई हैं। एक नाबालिग भी बड़ी आसानी से अपना बैंक अकाउंट रख सकता है और उसे ऑपरेट कर सकता है। 2014 के बाद से आरबीआई की ओर से 10 साल के अधिक के बच्चों को ये सुविधा दे गई है, जिसके बाद बच्चों के लिए खाता खुलवाना काफी आसान हो गया है।

बच्चों के लिए आईसीआईसीआई बैंक यंग स्टार्स अकाउंट, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पहला कदम और पहली उड़ान, एचडीएफसी बैंक किड्स एडवांटेज और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का युवा बैंकिंग खाता है लेकिन नाबालिगों का खाता खोलते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए, जिसके बारे में हम इस रिपोर्ट में बताने जा रहे हैं।

बच्चे की उम्र

ज्यादातर बैंकों में नाबालिगों के लिए दो प्रकार के खाते होते हैं। एक दस साल से कम के बच्चों के लिए और दूसरा 10 साल से 18 साल के बच्चों के लिए होता है। बड़ी बात यह है कि अगर बच्चा 10 साल से छोटा है, तो माता- पिता को उसके साथ संयुक्त रुप से संचालित करना होता है।

न्यूनतम बैलेस और बैंकिंग सुविधाएं

नाबालिगों को भी बैंक सभी प्रकार की सुविधाएं देते हैं। अधिकतर बैंकों में न्यूनतम बैलेस की सीमा 2500 रुपये से लेकर 5000 रुपये है। इसके अलावा इन खातों पर सभी प्रकार की बैंकिंग सुविधाएं दी जाती हैं, जिसमें चेक बुक, इंटरनेट बैंकिंग और एटीएम शामिल हैं।

डेबिट कार्ड

कुछ बैंक फोटो के साथ डेबिट कार्ड जारी करते हैं, जबकि कुछ बैंक के कार्ड पर माता-पिता या फिर बच्चे का नाम हो सकता है। सुनिश्चित करें कि खाते पर एसएमएस अलर्ट सुविधा सक्रिय है, जिससे लेनदेन की बारे में जानकारी तुरंत प्राप्त हो। इसके साथ ही बच्चे को यह दिखाने के लिए एटीएम तक ले जाएं कि पैसे सुरक्षित तरीके से कैसे निकाले जाएं।

खर्च करने की सीमा

नाबालिग खाते के साथ खर्च करने की सीमा भी जुड़ी होती है। हालांकि यह बैंक पर निर्भर करती है। आप बैंक की ओर से दी गई सीमा के मुताबिक 1000 रुपये, 2,500 रुपये और 5000 रुपये तक हो सकती है। बैंक से आप एक वित्त वर्ष में माता-पिता की सहमति के बिना 50,000 रुपये और सहमति के साथ 2 लाख रुपये निकाल सकते हैं।

अर्चना शर्मा कोटा, राजस्थान

कविता : ...वो दोस्ताना

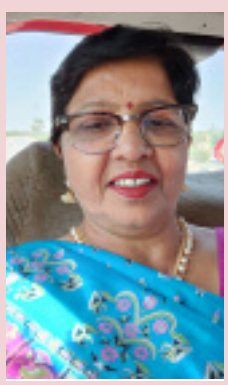

राह सुनसान,
पथरीले रास्ते,
कंटीली झाड़ियां,
घनघोर अंधेरा,
हाथ को नहीं
सूझता हाथ।।

अनजान मुसाफिर,
भयभीत मन,
धड़कता दिल,
फिसलता पांव,
गिरने से पहले ही
संभालते हाथों में
सच्ची दोस्ती का
आमंत्रण,
संभल कर,
स्वीकार कर
भाग्यशाली हो
मुस्कुराने लगी।।

मिल कर बिछुड़ गए
जैसे रात गई और
बात गई,
ऐसा दोस्त फिर
कभी मिला नहीं,
याद रहा बस
वो दोस्ताना ।।

व्यंग्य: वामन का मंतव्य!

अनूप श्रीवास्तव

भरोसा शब्द भले ही तीन अक्षरों का है लेकिन अवसर आने पर यह पूरे त्रिलोक को नाप सकता है,भले ही आप कहें कि इसके पीछे वामनी राजनीति है । 'वामन' का मन्तव्य कभी त्रिलोकेश्वर से रहा होगा, पर अब मन्तेश्वर के इर्द गिर्द सिमट चुका है ।

कहते हैं त्रिलोकी नाथ ने जब समुद्र मंथन किया था, रत्न निकलने तक सभी को उनपर भरोसा था लेकिन त्रिलोक सुंदरी और अमृत घट यानी सत्ता सुंदरी और नौकरशाही को हथियाने की नौबत आते ही देव दानवों का भरोसा दो फाड़ हो गया जिसके चलते विष्णु भगवान को भी तमाम पापड़ बेलने पड़े । उन्हें स्वयम सत्ता सुंदरी का मुखौटा लगाना पड़ा। नतीजा यह हुआ कि सत्ता पाने के लिए दोनों पक्ष प्रतिबद्ध हुए। राहु और केतु समझदार निकले उनकी भूमिका आज भी यथावत है। भरोसा उनके बीच कन्दुक की तरह इधर उधर भागता दिखाई दे रहा है।

दरअसल राहु और केतु ही आज की नौकरशाही है जो देव और दानवों को प्रोटोकाल का मुखौटा दिखाकर भरोसेमंद बनी हुई है लेकिन इसी बीच सोशल मीडिया तो प्रोटोकाल का भी बाप निकला और देखते ही देखते खुद को 'किंगमेकर'साबित करने पर तुल गया और इसे साबित करते हुए उसने एक आम आदमी को सड़क से उठाकर राजसिंहासन पर बिठा दिया, यही नहीं एक अच्छे खासे नेता को चाय वाले का चोला पहना कर सत्ता के शिखर पर पहुंचा दिया। वैसे सोशल मीडिया कोई नई ईजाद नहीं है। इसे केवल पत्रकारिता और नौकरशाही का गठजोड़, ऐसी पत्रकारिता जो हवा में गांठ लगाने में माहिर हो।

खबरों के मन माफिक कसीदे काढ़ने में सक्षम हो साथ ही सत्ता में सेंध लगाने में भी माहिर हो । पत्रकारिता का ऐसा अद्भुत मुखौटा देखकर नौकरशाही के भी कसबल ढीले हो गए। नौकरशाही को लगा अगर उसने इस मुखौटे को वाकओवर न दिया तो उनका अपना मुखौटा भी उतर जाएगा । पत्रकारिता पहले भी ऐयारी थी और आज भी है। सोशल मीडिया का मन्तव्य भी एक तरह से ऐयारी ही है।

इसे इस तरह से समझें-जब राजा भोज की दुनिया भर में तूती बोल रही थी अचानक न जाने किस दुरभि सन्धि से एक किस्सा गो ऐयार दूरदराज से प्रकट हुआ और उसने सिंहासन बत्तीसी की बत्तीस कहानियां सुनाकर राजा भोज के आस्तित्व को दीन दुनिया से बाहर कर दिया और किस्सा कहानी के अमूर्त नायक को चक्रवर्ती सम्राट के रूप में प्रतिष्ठित कर दिया। राजा भोज का बजूद भी नहीं बचा। इतिहास गया तेल लाने। सोशल मीडिया ने यह साबित कर दिया कि उसकी तथाकथित ऐयारी बड़े बड़ों को पानी पिला सकती है। नौकरशाही को भी धूल चटा सकती है। तभी से नौकर शाही के साथ नेताशाही भी नतमस्तक है ।

बस एक दूसरे का मुखौटा बचा रहे । भरोसा का भूत सिर पर चढ़ कर बोलता है, न देखता है, न सुनता है, न समझता है,बस हवा में ही गांठे लगाता रहता है। राजनीति कूटनीति के भरोसे चलती है। पहले भी कूटनीति सेठाश्रयी होती थी और ब्याजनीति के भरोसे चलती थी अब बदलते समय मे भरोसा गड्ड मड्ड हो रहा है। सरकारों के भरोसे का भी यही हाल है। एक सरकार पांच साल के भरोसे पर आती है। भरोसा टूटते ही सत्ता के खेल से बाहर होते देर नहीं लगती।

कभी सरकार गरीबों के भरोसे थी सरकार बदली तो राम भरोसे हो गयी। अब हाल यह है कि राम मंदिर बने न बने सरकार उनके नाम पर बनती बिगड़ती रहती है। खैर भरोसा मंदिर पर हो न हो,कभी वह सीबी आई के भरोसे था। अब अदालत के भरोसे पर टिक गया है जो फंस गए वे न्याय की देवी को अंधा बता रहे हैं और जो बच गए वे स्वयम को अदालत की दूरदृष्टि के कायल जता रहे हैं। अब चाहे सूखे का मुद्दा हो या डांस बार अथवा बैंकों के घोटाले का भरोसा दरकता रहता है । जनता का भरोसा कब तक किस पर टिका रहता है यह समय ही बताएगा।

धर्म तक से लोगों के भरोसे पर ग्रहण लगने की स्थिति आ गयी है। विधायिका और न्याय पालिका पर लगते ग्रहण को देखते हुए न्याय पालिका पर ही भरोसा बचा है। दूसरा और विकल्प भी क्या है। भरोसे के खम्बे में चाहे कितनी ही दरारे हों कहलाता भरोसे का खम्भा ही है। भरोसे का कन्धा न हो तो भरोसे के धंधे का क्या होगा। धंधे का खेल खेलने वालों को भरोसा बनाये रखने की जिम्मेदारी होती है। देश सेवा जब धंधे में बदल गया हो तो अंधे को भी मालुम है कि बिना मेवे के देश सेवा करने का जमाना लद गया। अगर मेवा भी सड़ा निकल गया तो भरोसे को कन्धा बदलते देर नहीं लगेगी। यह दौर ही दूसरा है। अब राजनीति भी कंधे पर बंदूक लेकर चलती है। वे दिन लद गए जब टोपी को लाठी बनाकर कोई नेता निकलता था तो बड़ी से बड़ी ताकतें उसका लोहा मानती थी। उसकी टोपी लाठी को भी मात करती थी।

अब राजनीति भले ही कितनी ही मजबूत हथियारों से समृद्ध हो गई हो पर वह भरोसे की लाठी कहीं भी नज़र नहीं आ रही है।उल्टे भरोसे पर गाँठपर गांठ लगती जा रही है । भरोसा किस घाट जाकर लगेगा ? खुदा ख़ैर करे !

सी पी 5,सेक्टर सी अलीगंज पत्रकार कालोनी लखनऊ।
मो. 9335276946

विधवा जीवन क्यूँ त्रासदीपूर्ण?

शाहाना परवीन शान

...बेवा, राँड, मृतभर्तृका व विधवा आदि नामों से जाना जाने वाला यह शब्द अपने गंभीर व सोचनीय प्रश्न लिए सदियों से समाज में कंलक के साथ जी रहा है। विधवा से तात्पर्य उस स्त्री से है जिसका पति मर चुका हो। एक महिला जिसके पति की मृत्यु चाहे कभी भी हुई हो पर उस स्त्री के माथे पर एक कलंक लग जाता है कि इसका पति मर चुका है और वह बिना पति की है। अब यह स्त्री पूर्ण रुप से बेकार है या यह भी कहा जा सकता है कि बिना पति स्त्री रद्दी है।

जिस प्रकार एक पुरुष का अपना अस्तित्व होता है उसी प्रकार एक पत्नी का भी अपना स्वयं का अस्तित्व है, फिर उसे पति के जीवन के साथ क्यों जोड़ा जाता है ? क्यों बार बार उसे यह अहसास करवाया जाता है कि जब तक पति जीवित था तब तक उसकी पहचान थी, पति के मरते ही सब कुछ खत्म ? विधवा शब्द कहकर सम्बोधित क्यूँ करें ? यदि एक स्त्री का पति मर जाता है तो उसे लोगों द्वारा विधवा कहकर क्यों सम्बोधित किया जाता है ? अरे भाई ! जब पति की अपनी पत्नी मर जाती है और वह विधुर हो जाता है तब उसे तो कोई विधुर नहीं कहता फिर एक स्त्री को क्यों बार बार विधवा कहकर कमज़ोर बना दिया जाता है ? या यह अहसास कराया जाता है कि वह अब बहुत क्षीण हो चुकी है।

यदि इसका भावनात्मक रुप देखा जाए तो विधवा शब्द एक पत्नी को पति को खो देने के बाद उसके जीवन के सबसे भारी नुकसान की ओर इशारा करता है। देश के कुछ हिस्सों में बल्कि कहना चाहिए कि शायद दुनिया भर में विधवाओं के साथ बर्बरता पूर्ण व्यवहार किया जाता है। विधवा स्त्री के लिए कपड़े भी निश्चित कर दिए जाते हैं : विधवा स्त्री के लिए कपड़े भी निश्चित कर दिए जाते हैं कि उन्हें क्या पहनना है और क्या नहीं जबकि एक विधुर पति के लिए इस प्रकार की कोई रोक -टोक देखने को नहीं मिलती कि उसे क्या पहनना है और क्या नहीं पहनना ?

विधवा घर के बाहर कदम रखती है तो लोगों के द्वारा अपने घरों व खिड़कियों से झांक कर देखा जाता है जबकि विधुर पर कोई ध्यान नहीं देता। सफेद कपड़े पहने और मायूसी में लिपटी महिलाओं के चेहरे की उदासी किसी को दिखाई नहीं देती। हाँ, दिखाई देता है तो विधवा होकर किसी गैर पुरुष से उसका बात कर लेना, विधवा होकर किसी के साथ हंस- बोल देना, विधवा होकर स्वतंत्रता के साथ जी लेना। क्यूँ ऐसा है कि विधवाओं को कोई कुछ नहीं समझता ?

अरे ! वे पहले एक इंसान हैं बाद में विधवा है। विधवा होना कोई पाप तो है नहीं फिर घृणा कैसी ? इतना भेदभाव क्यूँ ? एक किस्सा याद आ रहा है सुनंदा का विवाह पांच साल पहले दीपक के साथ हुआ था। दोनो एक बस दुर्घटना में घायल हो गये थे पत्नी बच गई और पति की कुछ दिनों के बाद मौत हो गई। सुनंदा को अभागन का नाम देकर घर से बाहर विधवा आश्रम में भेज दिया गया। कोई पूछे कि सुनंदा की ग़लती बताओ, अपराध बताओ, क्या किसी के पास इस बात का कोई उत्तर है ? अगर हो जाता विपरीत तो क्या विधुर पति को भी घर से बाहर भेज दिया जाता ? उसे भी विधुर आश्रम में रखा जाता ? पर एक क्षण के लिए यदि हम सोचें तो विधुर आश्रम तो कहीं है ही नहीं ? विधवा स्त्री की छवि शुरू ही से ऐसी बना दी जाती है कि वह दूर खड़ी सबसे अलग दिखाई पड़ती है। कोई उससे ढंग से बात नहीं करना चाहता, गले लगाना या गले मिलना तो दूर कहीं कहीं पर तो उसे घर में आने की इज़ाजत नहीं होती बल्कि उसे वैवाहित स्त्रियों से अलग रखा जाता है। उसको मांगलिक कार्यों में शामिल नहीं होने दिया जाता। यहाँ तक की अपनी बेटी के विवाह तक में विधवा मां शामिल नहीं हो सकती। किसने बनाए ये नियम ?कौन है इसका कर्ता धर्ता ? कोई पुरुष है या कोई स्त्री ?अगर कोई है तो इतना बताए कि ये नियम क्यों व कब बनाए गए ? इसमें भेदभाव क्यों किया गया ? जब एक स्त्री को त्रासदीपूर्ण जीवन जीने को बाध्य किया जाता है तो पुरुष को क्यों नहीं ? विधवा स्त्री अपने पहनावे से भीड़ में अलग दिखाई पड़ जायेगी पर विधुर पुरुष की क्या पहचान है ? विधुर को कोई कैसे पहचानेगा ?

उसे न तो इस तरह संबोधित किया जाता है और न ही वह अपनी पत्नी को खोने के बाद अपने पहनावे को बदलता है। हमारा प्रश्न आप सबसे यही है कि क्या यह आवश्यक है कि 'पत्नी' को 'विधवा' कह कर सम्बोधित किया जाए ? जबकि अपने पति को खो देने के बाद भी वह एक पत्नी बनी हुई है। सभी रूपों और औपचारिकताओं में अपने पति के नाम को अपने से चिपकाए हुए हैं। किसी भी स्त्री के घर के पते या बैंक की किताब या स्कूल आदि पर जीवित पति का तो नाम लिखा ही होता है पति के मरने के बाद भी वह नाम स्त्री से जुड़ा रहता है। जिस महिला का पति मर चुका हो उसको पति के नाम के साथ ही सम्बोधित किया जाता है उदाहरण,, पत्नी स्वर्गीय श्री....की।

यहाँ हमारे कहने का तात्पर्य केवल इतना है कि जब मरने के बाद पति पत्नी से प्रत्येक क्षेत्र में जुड़ा है तो यह विधवा शब्द का सम्बोधन क्यों ? सफेद वस्त्र क्यों ? आप सब लोग जो इस लेख को पढ़ रहे हैं ज़रा एक क्षण के लिए सोचिए और विचार कीजिए कि ऐसे में एक विधवा स्त्री को समर्थन की आवश्यकता है, सहानुभूति की नहीं। स्वतंत्र हर इंसान हैं फिर विधवा क्यों नहीं ? आजादी के साथ जीने का अधिकार सबके पास है। नारी जब स्वतंत्र होगी तभी इस समाज व संसार का मुकाबला कर पायेगी। अब उन विधवा महिलाओं के सामने दो तरह की जिम्मेदारी आ चुकी हैं पति की भी और अपनी तो हैं ही उसके पास।

विधवा नारी नहीं कमजोर,
उसको शक्तिशाली बनाना होगा।
समर्थन देंगे जब सब मिलकर
बेकार नियमों को हटाना होगा।
शक्ति का रुप समझी जाती नारी
फिर चाहे हो जैसी भी,विधवा हो या हो सधवा,
हर परिस्थिति में उसका साथ निभाना होगा।
गहरा प्रश्न आप सबसे मेरा....

अनकही कहानी – एक भूरी नारी

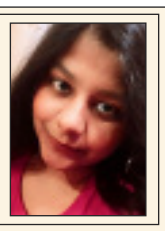

बचपन हमने देखा बड़ी मुश्किल से है,
कोई लड़की हुई है सुनके दफना देता है,
कोई लड़की हुई है सुनके जीते जी मार देता है।

बचपन से जब बाल्यावस्था आए,
कोई लड़की बाल मज़दूर का काम कर रही है,
तो कोई सडक पर झोली फैलाये एक पैसे के लिए तरस रही है।

बाल्यावस्था से यौवनावस्था जब आए,
तो देखा पढ़ने के ज़माने में छोटी बच्ची किसी का घर संभाल रही है,
कहीं वर्तन धो रही है तो कहीं कोई रास्ते पर धक्कें खा रहीं है।

यौवनावस्था से प्रजनन आयु जब आए,
जब मासिक धर्म शुरू होता है उसका दर्द जैसे प्रेग्नेंट के दर्द सा होता है,
कोई रंग रूप को देखते हैं तो कोई आपके जीवन में अपनी नाक घुसाते हैं।
समाज ताना कस्ते हैं और आजकल कहीं बाहर जाने का डर रहता है,
कहीं ससुराल मारते हैं तो कहीं कोई समझता नहीं है।

प्रजनन आयु के बाद जब प्रसव अवस्था में आए,
प्रेग्नेंट अवस्था में एक इंसान के अंदर एक नन्ही सी जान बस्ती है,
उस बीच का दर्द जो है 9 महीने का और उसके बाद प्रेगनेंसी के वक़्त
जो दर्द मानो की 206 हड्डियां टूट रही हो, जैसे लगता है।

प्रेगनेंसी के बाद जब माँ बन जाते है,तब अपने लिए कुछ नहीं
मगर सब परिवार और बच्चों के लिए केवल करती है।
इसलिए माँ के शब्द में संसार बस्ता है।

जब वही माँ बूढी हो जाती है,
तो बच्चे धक्के खाने के लिए कहीं सडक पर छोड़ देते हैं,
या तो वृद्धाश्रम में छोड़ जाते है,
कोई अनादर करता है कोई जुर्म करता है।

मरने के अवस्था में आयु जब आए,
तब न पूछने वाले भी दिखावा कर जाते हैं,
मरने के बाद जो बेटे पूछते नहीं वही सिर्फ़ 4 कंधा देने आ जाते हैं।

जीवन एक स्त्री की न कभी सरल थी न कभी है,
ज़माना है बुराइयों और अत्याचारों का ?
यहाँ एक बेटी को अच्छे से बड़ा करना भी बहुत कठिन है।

रीमा पांडेय कोलकाता

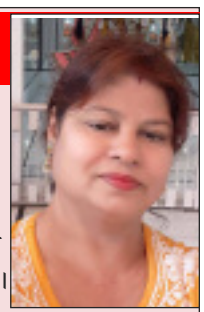

ग़ज़ल

यहाँ मुश्किल भरी राहों को अब आसान क्या करते,
पड़े थे पाँव में छाले रहें अंजान क्या करते।
अकेले ही बचा लाई मैं कश्ती के मुसाफ़िर को
मिरी हिम्मत के आगे दोस्तो तूफान क्या करते।
नहीं आसां है पढ़ लेना हरिक कागज़ के टुकड़े को
भला तस्वीर में इंसान की पहचान क्या करते
बचाया है इसे ग़म से सहारा भी न तेरा है,
भला फिर अपना दिल तेरे पे हम कुर्बान क्या करते।
कभी मांगा नहीं कुछ भी वो ऐसा ही अनोखा था,
वो था खुद्दार तो उसपे कहो अहसान क्या करते।
कभी पूरे नहीं होते मचलते ही ये रहते हैं तो
रख कर अपने दिल में हम हसीं अरमान क्या करते।
चले जाना है रीमा एक दिन सब छोड़कर सबको
सजा कर क़ीमती घर में भला सामान क्या करतें।

BNM Fantasy

Friday
17 November 2023

बर्थडे सेलिब्रेशन में दिखीं जाह्नवी

खुशी कपूर ने मुंबई के एक रेस्तरां में बहन जाह्नवी कपूर और दोस्तों के साथ बर्थडे लंच एन्जॉय किया। खुशी कपूर के बर्थडे सेलिब्रेशन में जाह्नवी अपने रूमर्ड ब्वॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के साथ नजर आईं। जाह्नवी को अपनी बहन खुशी और शिखर के साथ रेस्तरां से बाहर निकलते हुए देखा गया। इस दौरान 'बर्थडे गर्ल' खुशी व्हाइट कलर की शॉर्ट ड्रेस में बहुत प्यारी लग रही थीं। वहीं, जाह्नवी कपूर ने हमेशा की तरह अपने लुक से ध्यान खींचा। वह रेड कलर की साइड स्लिट ड्रेस में कमाल की लग रही थीं। खुले बाल और मिनिमल मेकअप में हमेशा की तरह जाह्नवी ने लाइमलाइट चुराई।

ब

'बिग बॉस' शो में लिपलॉक करते नजर आये कंटेस्टेंट्स, वीडियो वायरल

'बिग बॉस' शो का 17वां सीजन दर्शकों के सामने आ चुका है। शो की शुरुआत से ही कंटेस्टेंट्स के बीच की लड़ाई-झगड़े हर किसी का ध्यान खींच रहे हैं। अब शो में कंटेस्टेंट्स ने हद पार कर दी है। नेटिज़न्स ने उनके व्यवहार के कारण शो की आलोचना की है। बिग बॉस-17 के हाल ही में खत्म हुए एपिसोड में ईशा मालविश और समर्थ ज्यूरियल कैमरे के सामने लिप-लॉक कर रहे थे। बिग बॉस के घर में लाइट बंद होते ही दोनों शरीर पर चादर ओढ़कर इंटीमेट होते नजर आए। बिग बॉस-17 के मेकर्स ने इस वीडियो की क्लिप शेयर की है। ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वायरल वीडियो में समर्थ ईशा कैमरे के सामने लिप-लॉक करते नजर आ रहे हैं। जब उन्हें एहसास हुआ कि घर में कैमरे लगे हैं, तो फिर वह अपने शरीर पर एक चादर ले लेते है। फिर अभिषेक चला जाता है। वह उनके चल रहे रोमांस को देखता है। इसके बाद वह कहते हैं कि एक शीट दो..आप दोनों शीट लेकर बैठे हैं। अभिषेक की आवाज सुनकर समर्थ तेजी से चादर से बाहर आते हैं और उन्हें चादर देते हैं। ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। एक यूजर ने कमेंट किया, "यह कितना खराब पारिवारिक शो है।" एक अन्य यूजर ने कहा, "इन दोनों को टेम्पटेशन आइलैंड पर होना चाहिए।

उर्फी जावेद की गिरफ्तारी के पीछे का सच आया सामने

अब एक्ट्रेस के खिलाफ होगी कार्रवाई

सोशल मीडिया सेंसेशन उर्फी जावेद अपने अजीबोगरीब कपड़ों को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। उनकी कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। शुक्रवार को उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें दो महिला पुलिसकर्मी उन्हें पकड़ कर जीप में ले जाती दिख रही हैं। वीडियो वायरल होने के बाद दावा किया गया कि उर्फी को अजीब कपड़े पहन कर अश्लीलता फैलाने के आरोप में मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। हालांकि, यह खुलासा हो चुका है कि उनका यह वीडियो फर्जी है। मुंबई पुलिस ने खुद इस मामले का संज्ञान लिया है और इस रिपोर्ट की पुष्टि की है कि यह वीडियो फर्जी है। यह बात सामने आई है कि उर्फी ने यह वीडियो सिर्फ प्रसिद्धि पाने के लिए बनाया है। अब उनके इस फर्जी वीडियो पर एफआईआर दर्ज की गई है। मुंबई पुलिस ने उर्फी जावेद और वीडियो में दिख रही महिलाओं के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। मुंबई पुलिस ने ट्वीट किया कि, 'कोई भी सस्ती पब्लिसिटी के लिए देश के कानून का उल्लंघन नहीं कर सकता! मुंबई पुलिस द्वारा अश्लीलता के आरोप में गिरफ्तार की गई महिला का वायरल वीडियो सच नहीं है। इसमें पुलिस बैज और वर्दी का दुरुपयोग किया गया है। भ्रामक वीडियो में शामिल लोगों के खिलाफ ओशिवारा पुलिस स्टेशन में धारा 171, 419, 500, 34 आईपीसी के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच चल रही है और वीडियो में दिख रहे फर्जी पुलिसकर्मी को गिरफ्तार कर लिया गया है। वाहन भी जब्त कर लिया गया है।'